भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2948
जिसका उत्तर 06 अगस्त, 2025 को दिया जाना है ।
15 श्रावण, 1947 (शक)

जलपाईगुड़ी में डिजिटल कौशल केंद्र

2948. डॉ. जयंत कुमार रायः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार जलपाईगुड़ी जिला मुख्यालय में एक सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) हब या डिजिटल कौशल केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या जलपाईगुड़ी में स्कूली छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर जागरुकता और ऑनलाइन सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क): देश भर में सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) नागरिक-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं। ये केंद्र ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) द्वारा स्थापित किए जाते हैं। जलपाईगुड़ी जिले सहित सीएससी का राज्य और ज़िलावार विवरण वेबसाइट https://csc.gov.in/ पर उपलब्ध है।

जलपाईगुड़ी जिला मुख्यालय में एक समर्पित सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) हब या डिजिटल कौशल सुविधा स्थापित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पास कोई विशेष प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(ख): सरकार सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में मानव संसाधन सृजित करने हेतु 'सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता (आईएसईए)' नामक एक परियोजना का क्रियान्वयन कर रही है। इसका उद्देश्य आम जनता में साइबर स्वच्छता/साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर सामान्य जागरूकता उत्पन्न करना भी है।

- देश भर में प्रत्यक्ष/वर्चुअल माध्यम से सूचना सुरक्षा पर 3,711 जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं हैं।
- विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के छात्र, शिक्षक, संकाय, सरकारी कर्मचारी, एलईए, सामान्य उपयोगकर्ता, माता-पिता, महिलाएं, सीएससी आदि से 8,33,143 प्रतिभागियों को शामिल किया गया है।
- जलपाईगुड़ी जिले में एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया
- 59 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1,32,510 स्कूल शिक्षकों, पुलिस कर्मियों, स्वयंसेवकों आदि को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।
- चुनिंदा शहरों में आयोजित साइबर सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताहों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से ~15 करोड़ लाभार्थियों को कवर किया गया है।
- दूरदर्शन /आकाशवाणी पर प्रसारित जन जागरूकता कार्यक्रम।
- हैंडबुक, लघु वीडियो, पोस्टर, ब्रोशर, बच्चों के लिए कार्टून कहानियों आदि के रूप में बहुभाषी जागरूकता सामग्री प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक्स और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की जाती है।
- यह सामग्री www.isea.gov.in और https://staysafeonline.in/ पर भी उपलब्ध है।

साइबर स्वच्छता केंद्र (सीएसके) सर्ट-इन द्वारा प्रदान की जाने वाली एक नागरिक-केंद्रित सेवा है, जो स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण को साइबर स्पेस तक पहुँचाती है। साइबर स्वच्छता केंद्र एक बॉटनेट क्लीनिंग और मालवेयर विश्लेषण केंद्र है जो विद्वेषपूर्ण प्रोग्रामों का पता लगाने में मदद करता है और उन्हें हटाने के लिए निःशुल्क टूल प्रदान करता है, साथ ही नागरिकों के लिए साइबर सुरक्षा सुझाव और सर्वोत्तम पद्धतियाँ भी प्रदान करता है।

*****